26-01-2019

प्रेस विज्ञप्ति

भारत संघ के 70 वें गणतंत्र दिवस पर किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के प्रांगण में ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही हर्षो उल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर चिकित्सा विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

इस अत्यंत पावन पर्व पर मा0 कुलपति जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत के 70 वें गणतंत्र दिवस पर किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के परिवार के सभी सदस्यों को मेरी ओर से एवं विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर हार्दिक बधाई एवं शुभकामना। उन्होंने कहा कि इस 70 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर चिकित्सा विश्वविद्यालय के ओरल एंड मैक्सीलोफेशियल सर्जरी विभाग, दंत संकाय के प्रोफेसर शादाब मोहम्मद को पदम्श्री पुरस्कार से नवाजे जाने पर बधाई देते हुए कहा कि यह चिकित्सा विश्वविद्यालय के लिए एक गौरव का विषय है। चिकित्सा विश्वविद्यालय 114 वर्षो की परंपरा के साथ देश सेवा, राष्ट्र स्वास्थ्य की सेवा में और चिकित्सा शिक्षा की सेवा में अनवरत कार्य कर रहा है। के0जी0एम0यू0 द्वारा पिछले वर्ष प्राप्त की गई कुछ अह्म उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि चिकित्सा विश्वविद्यालय में भारत सरकार की महत्वकांक्षी स्वास्थ्य योजना आयुषमान भारत के तहज के0जी0एम0यू0 में अब तक 232 मरीजो का सफलतम उपचार किया जा चुका है, जोकि बहुत ही महत्वपूर्ण उपलब्धि है। पूरे उत्तर प्रदेश में यह संख्या किसी भी सरकारी एवं गैरसरकारी संस्थान में नंबर दो पर है, पहले स्थान पर बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय है और दूसरे नंबर पर के0जी0एम0यू0 का नाम आता है। तमाम बाधाओं के बावजूद यह सब संभव यहां के चिकित्सकों के अनवरत प्रयास से हो पाया है। इसके लिए उन्होंने आयुष्मान योजना के नोडल अधिकारी डॉ0 बालेन्द्र प्रताप सिंह को विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा कि वह बहुत मनोयोग से इस योजना को संचालित कर रहे हैं।

मा0 कुलपति जी ने कहा कि विश्वविद्यालय में मरीजो के हित में पिछले एक वर्ष से संचालित हो रही तीन योजनाएं– प्रधानमंत्री जनऔषधि योजना, अमृत फार्मेसी, हास्पिटल रिवालविंग फंड, जिसके माध्यम से मरीजों को सस्ते दर पर दवाएं उपलब्ध हो रहीं है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के तहत विश्वविद्यालय की समस्त आवश्यकताओं को पूरा किया जाएगा।

इस अवसर पर मा0 कुलपति जी ने इस वर्ष चिकित्सा संस्थान द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों के बारे में बताया कि स्पोर्ट्स मेडिसिन, बर्न केयर यूनिट और स्पाइनल केयर का डिपार्टमेंट स्थापित किया जा चुका है। पीडियेट्रिक आर्थोपेडिक्स विभाग में डी0एम0 का कोर्स प्रारम्भ होने जा रहा है, जिसे एम0सी0आई0 से मान्यता मिल चुकी है। इसके साथ ही संस्थान में मिल बैंक

की स्थापना की जा रही है। उन्होंने कहा कि चिकित्स विश्वविद्यालय को विश्व के शीर्ष 200 चिकित्सा विश्वविद्यालय की सूचि में लाने का उनका प्रयास रहेगा। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि इस चिकित्सा संस्थान में प्रति फैकेल्टी एक पब्लिकेशन प्रकाशित किया जा रहा है, जिसे प्रति फैकेल्टी एक से ज्यादा किया जाना आवश्यक है। चिकित्सा विश्वविद्यालय हमारे सम्मिलित प्रयास से प्रदेश का ही नही देश का अग्रणी संस्थान है, जिसका प्रमाण है बड़ी संख्या में मरीजो का एक आशा के साथ यहां पर आना। हम इस संस्थान को उच्चतम शिखर पर पहुंचा सकते है।

मा0 कुलपति जी द्वारा अंत में सभी उपस्थित चिकित्सक एवं कर्मचारियों से अनुरोध किया गया कि वे व्यक्तिगत हितो से ऊपर उठकर संस्थान के हित में मरीज के हित में, चिकित्सा शिक्षा के हित में कार्य करें, तभी हम अपने संस्थान का नाम ऊंचा कर पाने में सफल होंगे तथा हम समाज में सम्मान के हकदार होंगे। इस अवसर पर चिकित्सा विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रो0 सरोज गोपाल चूड़ामणि भी उपस्थित रहीं, जिनके द्वारा चिकित्सा विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के लिए समस्त चिकित्सकों एवं कर्मचारियों के सामूहिक प्रयास की सराहना की गई।